माध्यमिक हिन्दी व्याकरण

दसवीं कक्षा के लिए

(प्रथम भाषा, द्वितीय भाषा और तृतीय भाषा के लिए)

प्रकाशक

माध्ममिक शिक्षा परिषद, ओड़िशा

माध्यमिक शिक्षा परिषद, ओड़िशा द्वारा अनुमोदित और प्रकाशित
दसवीं कक्षा के लिए (प्रथम भाषा, द्वितीय भाषा और तृतीय भाषा के लिए)

© माध्यमिक शिक्षा परिषद, ओड़िशा

लेखक मंडल :
प्रो. डॉ. राधाकान्त मिश्र (पुनरीक्षक)
डॉ. रघुनाथ महापात्र
डॉ. लक्ष्मीधर दाश
डॉ. नलिनी कुमारी पाढ़ी

संयोजक :
श्री राजकिशोर चौधुरी

प्रथम संस्करण : 2013 / 2,00,000

टंकण :
केशरी एन्टरप्राइजर्स
बिड़ानासी, कटक

मुद्रण :

मूल्य : ₹

भूमिका

राष्ट्रीय शिक्षा पाठ्यक्रम-रूपरेखा २००५ के अनुरूप दसवीं कक्षा के लिए यह पुस्तक तैयार की गई है । ज्ञान प्राप्त करना, उसे कार्य में लगाना- इन दोनों बातों का ध्यान रखा गया है । व्याकरण जैसे नीरस विषय को सरस उदाहरणों और नई पाठन-प्रणाली द्वारा उपयोगी बनाया गया है ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक सबको पसंद आएगी और इसका सही उपयोग भी होगा । हम विद्वान लेखकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं ।

सभापति

माध्यमिक शिक्षा परिषद

ओड़िशा, कटक

प्रस्तावना

शिक्षा- व्यवस्था को सर्वभारतीय स्तर पर बराबर करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षण पाठयक्रम की रूपरेखा, २००५ बनाई गई । इसके तहत शिक्षण को अधिक जीवनोपयोगी बनाने के लिए नई-नई पुस्तकें तैयार की जा रही हैं । यह पुस्तक दसवीं कक्षा के लिए है ।

इस योजना के अंतर्गत हिन्दी भाषा के लिए व्याकरण की यह नई पुस्तक लिखी गयी है । इसमें नया दृष्टिकोण अपनाया गया है । व्याकरण को सरल, सुबोध, रोचक और प्रयोगात्मक बनाने की कोशिश की गई है । चूँकि एक ही पुस्तक प्रथम भाषा, द्वितीय भाषा और तृतीय भाषा हिंदी के लिए लिखना पड़ा इसलिए इस पुस्तक में सभी आवश्यक विषयों का संयोजन किया गया है । शिक्षक कक्षा के स्तर तथा पाठयक्रम के अनुसार इन विषयों को पढ़ाएँगे और छात्र-छात्राएँ पढ़ेंगे ।

अभ्यास के द्वारा ही व्याकरण का ज्ञान आसानी से प्राप्त होता है । इसलिए बड़ी-बड़ी अनुशीलनियाँ रखी गई हैं । ये सब नमूने हैं । शिक्षक आवश्यकतानुसार इनमें जोड़-घटाव कर सकते हैं । वे संबंधित कक्षा के आदर्श और प्रचलित प्रश्नपत्रों को भी देखेंगे और अपना शिक्षण-विन्दु तय करेंगे । तब यह लगेगा कि न तो पुस्तक मोटी है और न विषय दुरूह ।

आशा है, पुस्तक सबको पसंद आएगी । सकारात्मक विचारों का सर्वदा स्वागत किया जाएगा । हम परिषद की इस योजना की प्रशंसा करते हैं ।

लेखक-मंडल

विषय-सूची

अध्याय	विषय	पृष्ठ सं.
1.	**व्याकरण अवश्य पढ़ें**	1
2.	**हिन्दी ध्वनियाँ और वर्णमाला**	3
3.	**लेखन (वर्तनी)**	4
4.	**शब्द-विचार**	7
	अर्थ के आधार पर शब्द	9
	अनेकार्थी शब्द	9
	समानार्थी शब्द	10
	विपरीतार्थी शब्द	12
	भिन्नार्थक शब्द	14
	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	18
	ध्वनिबोधक शब्द	19
5.	**शब्द-रचना**	21
	संधि	21
	समास	32
	उपसर्ग	42
	प्रत्यय	45
	भाववाचक संज्ञाओं की रचना	50
	विशेषणों की रचना	51
6.	**रूप-विचार**	54
	संज्ञा	55
	लिंग	58
	वचन	67
	कारक-विभक्ति (परसर्ग)	71

अध्याय	विषय	पृष्ठ सं.
	सर्वनाम	88
	विशेषण	93
	क्रिया	96
	रचना के आधार पर क्रिया	96
	कर्म के आधार पर क्रिया	96
	क्रिया की पूर्णता-अपूर्णता के आधार पर क्रिया	97
	संयुक्त क्रिया	98
	वाच्य	98
	प्रयोग	100
	प्रेरणार्थक क्रिया	100
	काल	104
	अव्यय	111
	क्रिया - विशेषण	111
	संबंधबोधक अव्यय	113
	समुच्चयबोधक अव्यय	115
	विस्मयादिबोधक अव्यय	115
7.	**वाक्य - विचार**	118
	पदबंध	118
	उपवाक्य	120
	वाक्य के अवयव	122
	रचना की दृष्टि से वाक्य	123
	अर्थ की दृष्टि से वाक्य	125
8.	**विराम चिह्न**	128
9.	**अनुवाद**	134
10.	**निबंध-लेखन**	145
11.	**अपठित पाठ**	147
12.	**मुहावरे और कहावतें**	150

♦